RESEARCH REVIEW JOURNALS
Volume-04
Issue-04
April-2019

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com [UGC Listed Journal]

मनरेगा का महिलाओं के आर्थिक स्थिति में परिवर्तन का अध्ययन : प्रयागराज जनपद के विशेष संदर्भ में

सुमन कुमार प्रेमी

शोध छात्र, अर्थशास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

ARTICLE DETAILS

Article History
Published Online: 15 April 2019

Keywords
गरीबी, आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, महिला सशक्तिकरण,समावेशी विकास

ABSTRACT

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) एक जॉब गारंटी स्कीम है। इस अधिनियम को 25 अगस्त 2005 को संवैधानिक मंजूरी मिली । इस योजना में अकुशल वयस्क कामगारों को 100 दिनों की रोजगार की गारंटी प्रदान की जाती है। जॉब नहीं मिलने की दशा में बेरोजगारी भत्ता मूल मजदूरी का एक तिहाई होता है। इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य गरीबी व बेरोजगारी को दूर करने के साथ–साथ आय की असमानता को कम करना है। इस योजना में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाकर महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दिया गया है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य मनरेगा कार्यक्रम के फलस्वरूप इलाहाबाद जनपद के महिलाओं की आर्थिक स्थिति में परिवर्तन का अध्ययन करना है। साथ–ही–साथ यह जानना है कि यह योजना किस प्रकार निर्धन, अकुशल कामगारों को रोजगार प्रदान करके, आर्थिक–सामाजिक असमानता को कम करने के साथ महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है। यह शोध पत्र प्राथमिक डाटा पर आधारित है। प्राथमिक डाटा का संकलन इलाहाबाद जनपद के 130 महिला मनरेगा श्रमिक उत्तरदाताओं से अनुसूची (Schedule) तथा तालिका (Table) के माध्यम से एकत्र किया गया है। विश्लेषण, विवेचन तथा निष्कर्ष के लिए तालिका, चार्ट तथा प्रतिशत प्रणाली का प्रयोग किया गया है।

विषय परिचय :–

भारत एक विकासशील देश है। यहाँ की अधिकांश आबादी आज भी ग्रामीण इलाकों में ही निवास करती है। ये लोग अपना जीवन यापन या तो कृषि से या फिर मजदूरी करके करते हैं। ये लोग मौसमी बेरोजगार भी हैं। इनकी आय कम होने के कारण इनकी क्रयशक्ति (Purchasing Power) भी कम है। भारतीय संदर्भ में कहा जाय तो अशिक्षित अकुशल मजदूर अपने इलाके में रहकर ही अपना जीवन–यापन करना चाहते है। हलांकि बड़ी संख्या में ग्रामीण मजदूरों का शहरों की ओर पलायन भी हुआ। इनमें से शिक्षित या साक्षर मजदूरों की संख्या अधिक थी। अधिकांश आबादी की कम आय व बेरोजगारी की समस्या ने अर्थव्यवस्था की तीव्र विकास में बाधा पहुँचा रही थी। इन लोगों की कम क्रयशक्ति के कारण बाजार में सुस्ती थी। यहाँ हम जार्ज मेनार्ड कीन्स की बात करते हैं जिसने 1929–30 की वैश्विक मंदी को दूर करने के लिए प्रभावपूर्ण मांग (Effective Demand) की बात कही थी। मांग के बढने से वस्तुओं का उत्पादन व लोगों की आय बढने के साथ–साथ लोगों की क्रयशक्ति बढेगी अंततः यह प्रक्रिया चलती रहेगी और अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। अब सवाल है कि मांग को सर्वप्रथम कैसे बढाया जाय तो इसके लिए सरकारी निवेश को बढाना चाहिए।

भारत सरकार ने भी भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी लाने के लिए, लोगों की क्रयशक्ति बढाने हेतु, बेरोजगारी को कम करने हेतु लोगों के जीवन–स्तर में सुधार हेतु, (MGNREGA)महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 यानी महात्मा गाँधी नरेगा 2005 लाया। इसकी अधिसूचना 7 Sept 2005 को जारी की गयी। सर्वप्रथम यह योजना NREGA के नाम से जानी जाती थी। इस योजना की सुरूआत आंध्रप्रदेश के बांदापालि से 2 Feb 2006 को हुई। सुरूआत में यह योजना भारत के 200 जिलों में शुरू की गई थी जिसेवित्तीय वर्ष 2007–2008 में और 130 जिलों में लागू किया गया। 1 अप्रैल 2008 को बचे शेष सभी जिलों में लागू किया गया। इस योजना में वैसे जिलों को शमिल नहीं किया गया जहां शत–प्रतिशत शहरी आबादी है। इस प्रकार MGNREGA देश के सभी जिलों में लागू है।

MGNREGA के अंतर्गत ऐसे प्रत्येक ग्रामीण परिवार जिसके व्यस्क सदस्य अकुशल हैं, परिवार कार्य करने को इच्छुक हैं को प्रति वर्ष कम से कम 100 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी प्रदान की गई है। हलांकि अब इसे बढाकर 150 दिनों तक कर दिया है। इस योजना का मुख्य उद्देशय भारत का समावेशी विकास करना है। इसमें यह प्रावधान किया गया कि कुल श्रमिकों का एक तिहाई भाग महिलाएँ होगी। रोजगार प्राप्त करने को इच्छुक व्यक्ति पंचायत में आवेदन करते हैं उसे एक फोटोयुक्त जॉब कार्ड प्रदान करने

RRIJM 2015, All Rights Reserved

के साथ उसे 15 दिनों के भीतर काम उपलब्ध कराने का काम करती है। काम नहीं देने की स्थिति में आवेदित व्यक्ति को बेरोजगारी भत्ता प्रदान किया जाता है। बेरोजगारी भत्ते की राशि कुल वैधानिक मजदूरी का एक–तिहाई होता है। इस योजना में वास्तविक मजदूरी 100 रू0 थी। जिसे बढाकर 157 रू0 किया गया। वर्तमान में अलग–अलग राज्यों में वास्तविक मजदूरी दर अलग–अलग हैं जो 01 अप्रैल 2018 से प्रभावी है। इस प्रकार है।

राज्य	मजदूरी (रू0 में)	राज्य	मजदूरी (रू0 में)
हरियाणा	281 (सर्वाधिक)	दादर एवं नगर हवेली	220
चंड़ीगढ	274	दमन व दीव	197
अंडमान–निकोवार	250–264	पं0 बंगाल	191
केरल	271	उत्तराखंड़	175
कर्नाटक	249	उ0 प्र0	175
लक्षद्वीप	248	त्रिपुरा	177
पंजाब	240	सिक्किम	177
हिमाचल प्रदेश	230	राजस्थान	192
पुदुचेरी	234	ओड़िसा	182
तमिलनाडु	224	नगालैंड	177
महाराष्ट्र	203	म0 प्र0	174
मणिपुर	209	छत्तीसगढ़	174
तेलंगाना	205	झारखंड़	168 (न्यून्तम)
बिहार	168 (न्यून्तम)		

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि पिछड़े राज्यों में मनरेगा में मजदूरी की दर अन्य राज्यों से निम्न है। सबसे कम मजदूरी बिहार व झारखण्ड में 168 रूपये है। वहीं सर्वाधिक मजदूरी की दर हरियाणा में 281 रूपया है।

इस योजना की जो खास बात है वह यह है कि वेतन का भुगतान 7 दिनों के अंदर करना होता है। साथ ही मजदूरी का भुगतान लाभार्थी के बैंक खातों में की जाती है। इसमें चलायी जानेवाली योजनाओं की पहचान, क्रियान्वयन व देखभाल की जिम्मेदारी ग्राम–पंचायतों को प्रदान की गयी है। इस योजना की निगरानी हेतु पंचायत स्तर, प्रखंड स्तर, जिला स्तर, राज्य स्तर व राष्ट्रीय स्तर पर अलग–अलग अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

इस परियोजना की कुल लागत का 75% हिस्सा मजदूरी पर व 25% हिस्सा प्रशासनिक व निर्माण–सामग्री पर खर्च करना होता है। वहीं इस परियोजना की कुल लागत का 90% खर्च केंद्र सरकार व 10% खर्च की राशि राज्य सरकार वहन करती है।

इस योजना के दायरे में कृषि पशुपालन, जल संसाधन का प्रबंधन, पेयजल, ग्रामीण स्वच्छता, पंचायतों में कच्चे काम करना हो समेत कुल 30 मदों को शामिल किया गया है। इस योजना की अबतक की प्रगति को देखा जाय तो मनरेगा में कुल वर्कर 26 करोड़ 53 लाख 40 हजार 520 पेजीकृत हैं। इनमें से 11 करोड़ 76 लाख 09 हजार 784 वर्कर ही कार्यरत हैं जो कुल पंजीकृत वर्कर का 44.32% है। मनरेगा से अबतक 3 करोड़ 22 लाख 98 हजार 218 परिवार लाभान्वित हुए हैं। भारत में मनरेगा के अंतर्गत अगर औसतन कार्य दिवस की बात करें तोवर्ष 2018–19में अब तक सबसे अधिक काम मिला है।

वर्ष	औसतन कार्य दिवस
2014–15	40 दिन
2015–16	48.85 दिन
2016–17	46 दिन
2017–18	45.69 दिन
2018–19	50.58 दिन

वहीं महिला श्रमिकों का प्रतिशत इस प्रकार हैं :–

वर्ष	महिला श्रमिकों का प्रतिशत
2015–16	55.26%
2016–17	56.16%
2017–18	53.53%
2018–19	54.56%

यानी मनरेगा में आधी से अधिक कामगार महिलाएँ हैं।

वर्ष	बजट राशि (करोड़ रू0)
2015–16	239.112
2016–17	220.9274
2017–18	231.31
2018–19	256.56

अगर हम मनरेगा में प्रतिवर्ष लेबर बजट की बात करें तो बजट में लेबर बजट की राशि में बढ़ोत्तरी की गई है। वहीं वित्तीय वर्ष 2018–19 में मनरेगा मद में 69,622 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया।

अगर हम प्रतिवर्ष औसत मजदूरी (प्रति व्यक्ति) पर खर्च की बात करें तो :–

वित्तीय वर्ष	औसतन मजदूरी (रू0 में)
2015–16	220.46
2016–17	221.23
207–18	223.71
2018–19	264.1

साहित्य समीक्षा (Review of Literature) : -

सिंह, धनंजय (2015) के अनुसार मनरेगा कार्यक्रम से सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। विकास कार्यक्रमों का सबसे अधिक लाभ अनुसूचित जाति के लोगों को प्राप्त हुआ है। विकास कार्यक्रमों के असफलता का कारण भ्रष्टाचार, जातिवाद एवं भाई–भतीजावाद रहा है।

राजगढ़िया विष्णु (2013) ने अपनी पुस्तक 'मनरेगा' में इनके उपलब्धियों का वर्णन किया है। इनके अनुसार मनरेगा

के द्वारा ग्रामीण महिलाओं में आत्मनिर्भरता बढ़ी है। एवं गाँव से शहरों की तरफ पलायन में कमी आयी है तथा आधारभूत संरचना का विकास हुआ है।

हिर्वे, आई तथा एस० बताव्याल (2012) ने बताया है कि मनरेगा ने कुछ प्रक्रियाओं को उत्प्रेरित किया है जिन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण को दैनिक मजदूरी, रोजगार, समान भुगतान समाजिक गतिशीलता द्वारा बढ़ाया है।

श्रीमती ज्योती (2010) ने मनरेगा, रोजगार की स्थिति समस्या व समाधान विषय पर शोध कार्य करके बताया कि मनरेगा से समाजिक आर्थिक राजनैतिक और शैक्षिक स्थितियों में वृद्धि हुई है। साथ–ही–साथ 35%ग्रामीण भूमिहीन श्रमिकों ने गरीबी रेखा को पार किया है।

इन्स्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट (2010) ने अपने अध्ययन में बताया कि मनरेगा ने पुरूषों और महिलाओं के बीच भेदभाव किए बिना परिवारों को आय का श्रोत प्रदान किया है। मनरेगा योजना से आजीविका पर साकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

शोध उद्देश्य (Objective of Research): -

इस शोध पत्र का उद्देश्य मनरेगा कार्यक्रम के फलस्वरूप इलाहाबाद जनपद के महिलाओं की आर्थिक स्थिति में परिवर्तन का अध्ययन करना है।

शोध प्रविधि (Research Methodology) :–

यह शोध पत्र प्राथमिक डाटा पर आधारित है। डाटा का संकलन इलाहाबाद जनपद के 130 महिला मनरेगा श्रमिक उत्तरदाताओं से अनुसूची (Schedule) तथा तालिका (Table) के माध्यम से एकत्र किया गया है। विश्लेषण, विवेचन तथा निष्कर्ष के लिए तालिका, चार्ट तथा प्रतिशत प्रणाली का प्रयोग किया गया है।

विवेचन एवं प्रतिफल(Discussion& Results) :-

यह शोध पत्र मनरेगा कार्यक्रम के फलस्वरूप महिलाओं के आर्थिक स्थिति में परिवर्तन का अध्ययन जानने के लिए प्राथमिक डेटा के संकलन पर आधारित है जिनका विवरण निम्नलिखित है।

आयु आधारित विवरण(Age Based Description) :–

तालिका– 1

क्रम.	आयु (Age)	उत्तरदाता की संख्या No. of Respondents	उत्तरदाता का प्रतिशत Percentage of respondents
1.	18 – 30 वर्ष	52	40
2.	30 – 40 वर्ष	39	30
3.	40 – 50 वर्ष	26	20
4.	50 वर्ष से ऊपर	13	10
	कुल (Total)	130	100

(स्त्रोत : प्राथमिक डाटा पर आधारित)

चार्ट– 01

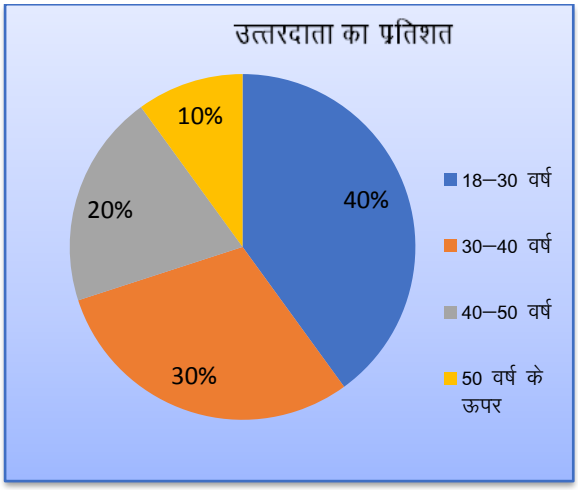

विवेचनः–तालिका 1 तथा चार्ट – 1 से यह स्पष्ट है कि अधिकांश 52 उत्तरदाता या 40 प्रतिशत 18 – 30 वर्ष तक के, 39 उत्तरदाता या 30 प्रतिशत 30 – 40 वर्ष के, 26 उत्तरदाता या 20 प्रतिशत 40 – 50 वर्ष के तथा 13 या 10 प्रतिशत उत्तरदाता 50 वर्ष से ऊपर के उत्तरदाता है।

वैवाहिक स्थिति :–

तालिका–02

क्रम.	कैटेगरी (Categor)	उत्तरदाता की संख्या No. of Respondents	उत्तरदाता का प्रतिशत Percentage of respondents
1.	विवाहित (Marriag)	87	66.93
2.	अविवाहित (Unmarr age)	43	33.07
	कुल (Total)	130	100

चार्ट–02

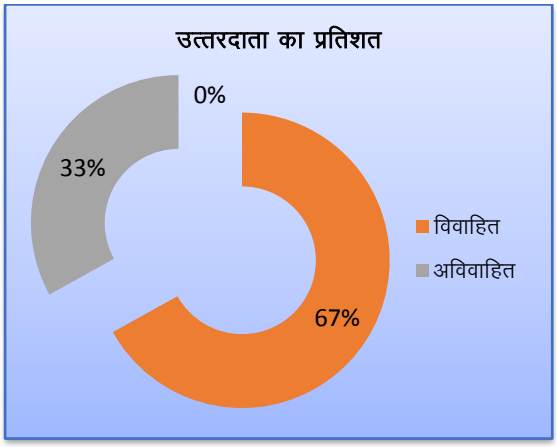

विवेचन :–तालिका–2 तथा चार्ट–2 से स्पष्ट है कि अधिकांश 87 उत्तरदाता या 66.93%उत्तरदाता विवाहित तथा 43 उत्तरदाता या 33%उत्तरदाता अविवाहित है।

मनरेगा योजना के क्रियान्वयन के फलस्वरूप महिलाओं के आर्थिक स्थित में हुए परिवर्तनों को जानने के लिए इस योजना में कार्यरत 130 महिलाओं से निम्न प्रश्न पूछा गया जिनका विवरण निम्नलिखित है।

1. क्या मनरेगा योजना से आपके आय में वृद्धि हुई है ?

तालिका– 03

क्रम.	प्रतिक्रिया (Response)	उत्तरदाता की संख्या No. of Respondents	उत्तरदाता का प्रतिशत Percentage of respondents
1.	हाँ (Yes)	117	90%
2.	नही (No)	.13	10%
	कुल (Total)	130	100

चार्ट–03

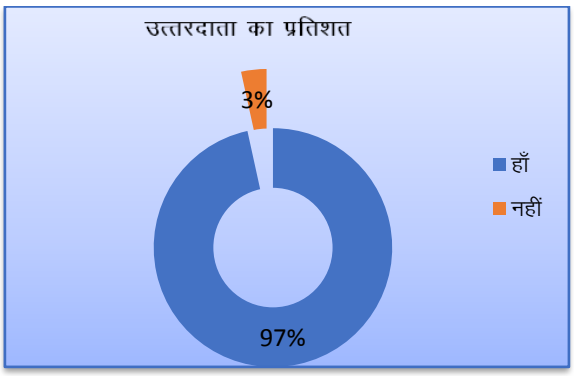

विवेचना :–तालिका 3 तथा चार्ट 3 से स्पष्ट है कि 130 में 117 अर्थात 90% मनरेगा श्रमिक इस बात से सहमत हैं कि मनरेगा योजना के कारण उनके आय में वृद्धि हुई है, जबकि 13 अर्थात 10% उत्तरदाता इस बात से असहमत हैं।

2. क्या आप मनरेगा में होने वाले आय से परिवार की आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति कर पा रहे हैं

तालिका– 04

क्रम.	प्रतिक्रिया (Response)	उत्तरदाता की संख्या No. of Respondents	उत्तरदाता का प्रतिशत Percentage of respondents
1.	हाँ (Yes)	104	80%
2.	नही (No)	26	20%
	कुल(Total)	130	100%

चार्ट– 04

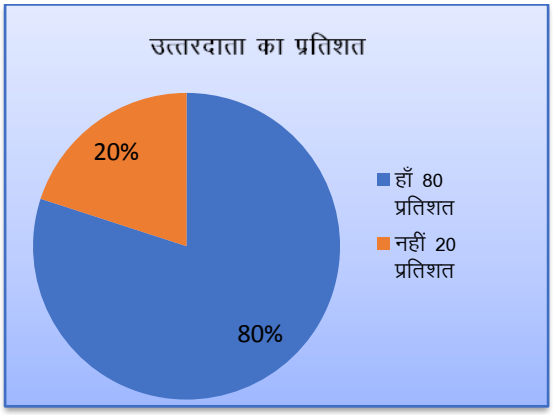

विवेचना :–तालिका–4 तथा चार्ट–4 से स्पष्ट है कि 130 में 104 अर्थात 80%मनरेगा श्रमिक इस बात से सहमत हैं कि मनरेगा योजना से प्राप्त आय से परिवार की आवश्यक आवश्यकताओं जैसे भोजन, वस्त्र, आवास आदि की पूर्ति कर पा रहे हैं।

3.क्या मनरेगा योजना से आपको शौचालय निर्माण में आसानी हुई ?

तालिका– 05

क्रम.	प्रतिक्रिया (Response)	उत्तरदाता की संख्या No. of Respondents	उत्तरदाता का प्रतिशत Percentage of respondents
1.	हाँ (Yes)	71	54.62
2.	नही (No)	59	45.38
	कुल (Total)	130	100%

चार्ट– 05

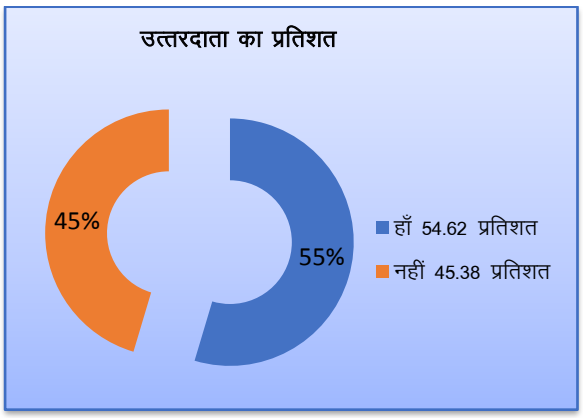

विवेचना:–उपर्युक्त तालिका–5 तथा चार्ट–5 से स्पष्ट है कि 130 में से 71 उत्तरदाता अर्थात् 54.62 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को मानते हैं कि मनरेगा योजना से शौचालय निर्माण में आसानी हुई, जबकि 59 अर्थात 45.38 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से असहमत दिखे।

4.क्या मनरेगा से प्राप्त आय के कारण आपको मवेशी (गाय/भैंस/बकरी) खरीदनें में सहायता मिली ?

तालिका– 06

क्रम.	प्रतिक्रिया (Response)	उत्तरदाता की संख्या No. of Respondents	उत्तरदाता का प्रतिशत Percentage of respondents
1.	हाँ (Yes)	67	51.54
2.	नही (No)	63	48.46
	कुल (Total)	130	100%

चार्ट– 06

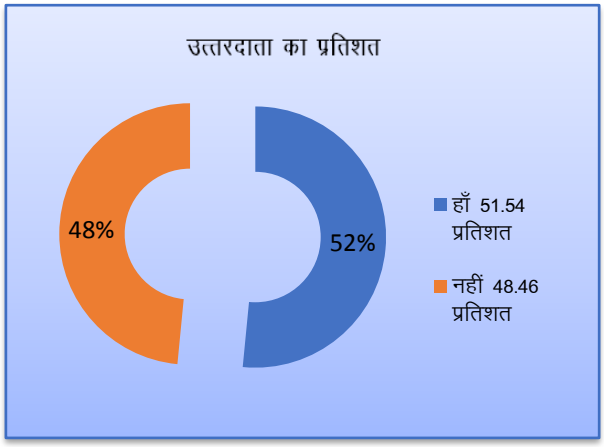

विवेचन :–उपर्युक्त तालिका–6 एवं चार्ट–6 से स्पष्ट है कि 130 में से 67 यानि 51.54 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को मानते हैं कि मनरेगा योजना से प्राप्त आय के कारण मवेशी खरीदने में सहायता मिली जबकि 63 यानि 48.46 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से असहमत दिखे, सहमत उत्तरदाताओं में से अधिकांश से इस बात की जानकारी मिली कि वे सिर्फ छोटे मवेशी बकरी आदि खरीदने में ही सक्षम हो सकें।

5.क्या मनरेगा के कारण आपके बचत में साकारात्मक परिवर्तन हुआ है ?

तालिका– 07

क्रम.	प्रतिक्रिया (Respons)	उत्तरदाता की संख्या No. of Respondents	उत्तरदाता का प्रतिशत Percentage of respondents
1.	हाँ (Yes)	81	62.31
2.	नही (No)	31	23.85
3.	कह नहीं सकते	18	13.84
	कुल(Total)	130	100

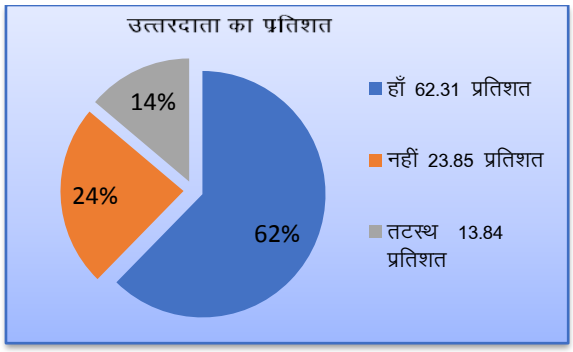

चार्ट–07

विवेचनः–उपर्युक्त तालिका–7 एवं चार्ट–7 से स्पष्ट है कि 130 में से 81 अर्थात 62.31 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से सहमत हैं कि मनरेगा योजना के कारण उनके बचत में सकारात्मक परिवर्तन हुआ है, जबकि 31 अर्थात 23.85 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से असहमत दिखें। वहीं 18 अर्थात 13.84 प्रतिशत उत्तरदाता तटस्थ दिखे।

6. क्या मनरेगा से आपके यहाँ स्थायी पूँजी का निर्माण हुआ है

तालिका– 08

क्रम.	प्रतिक्रिया (Respons)	उत्तरदाता की संख्या No. of Respondents	उत्तरदाता का प्रतिशत Percentage of respondents
1.	हाँ (Yes)	79	60ण77
2.	नही (No)	34	26ण15
3.	कह नहीं सकते	17	13.08
	कुल(Total)	130	100

चार्ट– 08

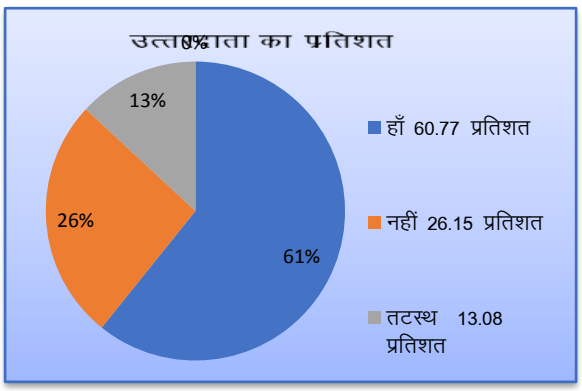

विवेचनः–उपर्युक्त तालिका–8 एवं चार्ट–8 से स्पष्ट है कि 130 में 79 अर्थात 60.77 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से सहमत है कि मनरेगा से स्थायी पूँजी का निर्माण हुआ है। जबकि 34 अर्थात 26.15 प्रतिशत उत्तरदाता असहमत तथा 17 अर्थात 13.08 प्रतिशत उत्तरदाता तटस्थ दिखे हैं।

7. क्या मनरेगा से आपके परिवार के जीवन स्तर में साकारात्मक परिवर्तन हुआ है?

RRIJM 2015, All Rights Reserved

तालिका– 09

क्रम.	प्रतिक्रिया (Response)	उत्तरदाता की संख्या No. of Respondents	उत्तरदाता का प्रतिशत Percentage of respondents
1.	हाँ (Yes)	113	86.92
2.	नही (No)	11	8.46
3.	कह नहीं सकते	6	4.62
	कुल (Total)	**130**	**100**

चार्ट– 09

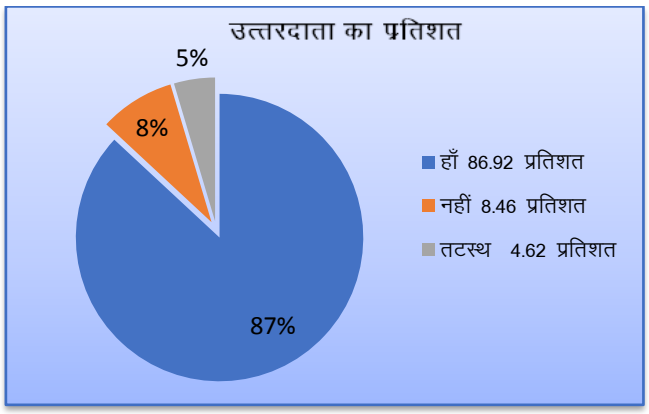

विवेचनः–

तालिका–9 एवं चार्ट–9 से स्पष्ट है कि 130 में से 113 अर्थात 86.92 प्रतिशत उत्तरदाता मानते है, कि मनरेगा से उनके परिवार के जीवनस्तर में साकारात्मक परिवर्तन हुआ है जबकि 11 अर्थात 8.46 प्रतिशत उत्तरदाताइस बात से असहमत हैं तथा 6 अर्थात 4.62 प्रतिशत उत्तरदाता तटस्थ हैं।

8. क्या मनरेगा से प्राप्त आय के कारण आप अपने बच्चे का स्कूल भेजने में सफल हुए हैं ?

तालिका– 10

क्रम.	प्रतिक्रिया (Response)	उत्तरदाता की संख्या No. of Responde ns	उत्तरदाता का प्रतिशत Percentage of respondents
1.	हाँ (Yes)	118	90.77
2.	नही (No)	9	6.92
3.	कह नहीं सकते	3	2.31
	कुल (Total)	**130**	**100**

चार्ट– 10

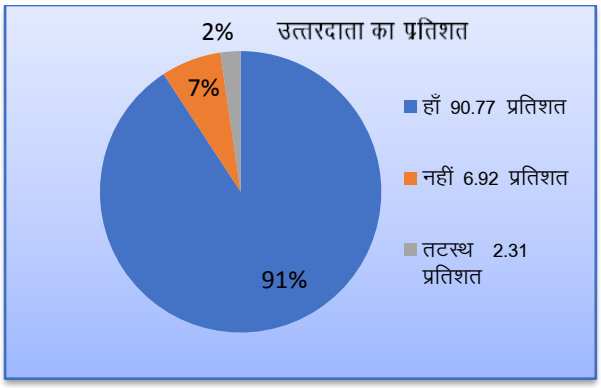

विवेचन :–तालिका–10 एवं चार्ट–10 से स्पष्ट है कि 130 में से 118 अर्थात 90.77 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से सहमत है कि मनरेगा से प्राप्त आय के कारण वह अपने बच्चों को स्कूल भेजने में सफल हुए हैं, जबकि 9 उत्तरदाता अर्थात 6.92 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से असहमत हैं तथा 3 अर्थात 2.31 प्रतिशत उत्तरदाता तटस्थ हैं।

9. क्या आप मनरेगा में काम करने के कारण आसानी से ऋण चुका पा रहे हैं?

तालिका– 11

क्रम.	प्रतिक्रिया (Response)	उत्तरदाता की संख्या No. of Respondents	उत्तरदाता का प्रतिशत Percentage of respondents
1.	हाँ (Yes)	74	56.92
2.	नही (No)	56	43.08
	कुल (Total)	**130**	**100**

चार्ट– 11

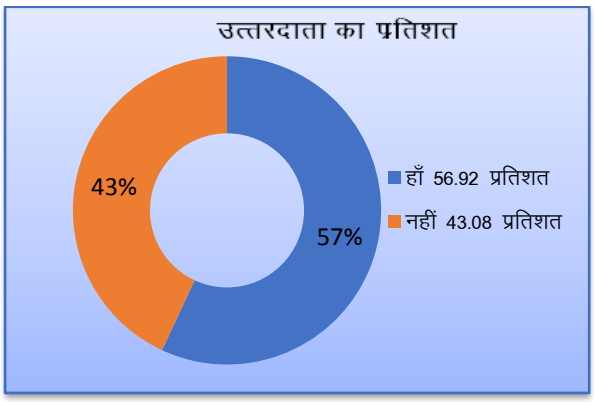

विवेचन :–तालिका 11 तथा चार्ट–11 से स्पष्ट है कि 130 में से 74 यानि 56.92 प्रतिशत उत्तरदाता मनरेगा योजना के कारण आसानी से त्रण चुका पा रहे हैं, जबकि 50 अर्थात 43. 08 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से असहमत हैं।

10. क्या मनरेगा योजना ने आपके परिवारों को भूखे मरने से बचाया है ?

RRIJM 2015, All Rights Reserved

तालिका–12

क्रम.	प्रतिक्रिया (Response)	उत्तरदाता की संख्या No. of Respondents	उत्तरदाता का प्रतिशत Percentage of respondents
1.	हाँ (Yes)	118	90.77
2.	नही (No)	12	9.23
	कुल (Total)	130	100

चार्ट–12

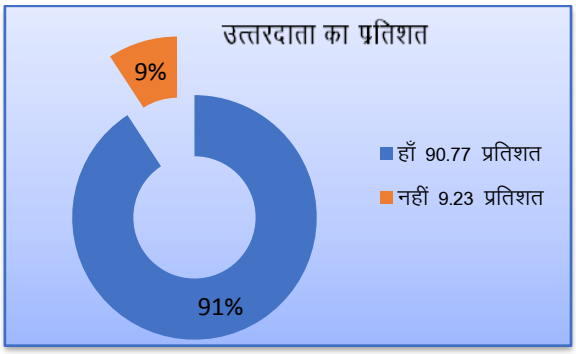

विवेचन :–तालिका 12 तथा चार्ट 12 से स्पष्ट है कि 130 में से 118 अर्थात 90.77 प्रतिशत मतदाता ने इस बात को स्वीकार किया कि मनरेगा योजना ने उनके परिवारों को भूखे मरने से बचाया, जबकि 12 अर्थात 9.23 प्रतिशत मतदाताओं ने असहमति जताया।

11. क्या आप अपना बैंक या पोस्ट आफिस खाता मनरेगा में काम से प्राप्त आय के कारण खोलने में सक्षम हुए हैं ?

तालिका– 13

क्रम.	प्रतिक्रिया (Response)	उत्तरदाता की संख्या No. of Respondents	उत्तरदाता का प्रतिशत Percentage of respondents
1.	हाँ (Yes)	106	81.54
2.	नही (No)	24	18.46
	कुल (Total)	130	100

चार्ट– 13

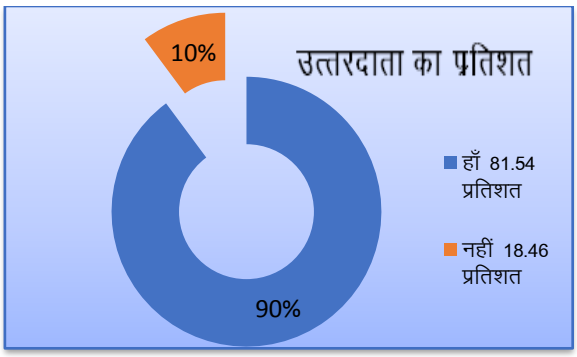

विवेचनः–उपर्युक्त तालिका 13 तथा चार्ट 13 से ज्ञात है कि 130 में से 106 अर्थात 82 प्रतिशत से अधिक मनरेगा श्रमिक यह मानते हैं कि उसका खाता मनरेगा में काम के कारण खुल पाया है जबकि 24 अर्थात 18 प्रतिशत श्रमिक इस बात से असहमत हैं ?

12. क्या मनरेगा योजना जारी रहना चाहिए ?

तालिका– 14

क्रम.	प्रतिक्रिया (Response)	उत्तरदाता की संख्या No. of Respondents	उत्तरदाता का प्रतिशत Percentage of respondents
1.	हाँ (Yes)	129	99.23
2.	नही (No)	1	0.77
	कुल (Total)	130	100

चार्ट– 14

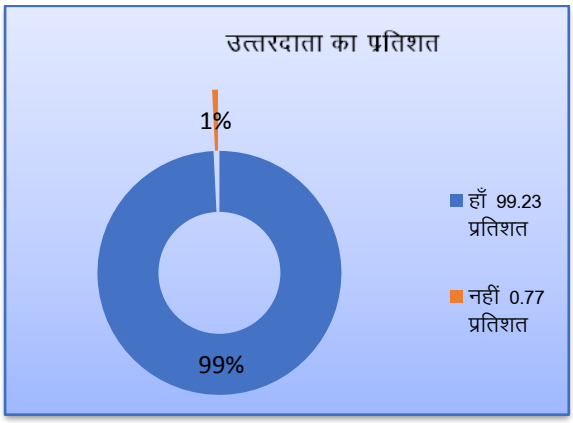

विवेचनः–उपर्युक्त तालिका– 14 तथा चार्ट–14 से स्पष्ट है कि लगभग सभी मनरेगा श्रमिक इस बात को मानते हैं कि मनरेगा योजना भविष्य में जारी रहना चाहिए।

निष्कर्ष :–

उपर्युक्त विवेचन के आधार पर निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि मनरेगा योजना के कारण महिलाओं की आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाओं के क्रयशक्ति को बढ़ाया है। इनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है। महिलाएँ आत्मनिर्भर हुई हैं, तथा महिला सशक्तिकरण के साथ–साथ आर्थिक असमानता में कमी आयी है। स्पष्ट है कि मनरेगा ने अकुशल व अशिक्षित लोगों को रोजगार देकर न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कररहा है बल्कि यह योजना भारत के समावेशी विकास की संकल्पना की मार्ग भी प्रशस्त कर रही है।

RRIJM 2015, All Rights Reserved

संदर्भ–सूची :–

1. आजम, एम (2011), भारतीय श्रम बाजार परिणामों पर भारतीय रोजगार गारंटी स्कीम का प्रभाव।
2. मिश्र एस0के0 तथा पूरी वी0के0 'भारतीय अर्थव्यवस्था' हिमालयन पब्लिशिंग हाउस मुम्बई।
3. आर्थिक समीक्षा 2018–19वित्त मंत्रालय, भारत सरकार
4. महात्मा गाँधी नरेगा समीक्षा भाग–I & II (UNDP)
5. Ranjan, Annita (2016) MGNREGA and Women Empowerment , Ocean Book (P) Ltd. New Delhi
6. Economic & Political Weekly Related to MGNREGA.
7. Impact of MNREGA on rural labour market A Amrender Reddy
8. State level preference of MNREGA in India : a comparative study: B Shashi Kaimur
9. A study of rural employment and poverty: A study of Bihar : Dr. Kaimur Ameresh
10. योजनापत्रिका (रोजगार एवं MGNRAGA से सम्बन्धित लेख)
11. कुरूक्षेत्र पत्रिका (रोजगार एवं MGNRAGA से सम्बन्धित लेख)
12. www.NSSO.gov.in
13. www.mnrerga.gov.in
14. www.nitioayog.gov.in
15. www.finmin.gov.in
16. www.rbi.org
17. www.upgov.nic.in
18. Http://ruralsoft.up.nic.in
19. The Hindu (News Paper)

RRIJM 2015, All Rights Reserved